

मोरछड़ी लहरावे जी श्याम नज़र म्हाने आवे जी लिरिक्स



मोरछड़ी लहरावे जी,
श्याम नज़र म्हानै आवै जी,
चाल पड़्यो खाटू से,
म्हारो श्याम धणी।bdl

तर्ज - मोरछड़ी थारा हाथां में।

मोरछड़ी है कुंजी पूजी,
मिली जो श्याम कन्हैया से,
तीन बाण तरकस में सोहे,
मिला जो माँ जगदम्बा से,
कलयुग को देव कुहावै जी,
घर घर पूज्यो जावै जी,
सब भक्तां ने लागे,
प्यारो श्याम धणी,
चाल पड़्यो खाटू से,
म्हारो श्याम धणी।bdl

देख रही है दुनियां सारी,
मोरछड़ी की सकलाई,
खुल गया ताला मंदिर का,
ली श्याम बहादुर अंगड़ाई,
हारया ने देवे साहारो जी,
विपदा में दौड़यो आवै जी,
करे नही जी देर,
म्हारो श्याम धणी,
चाल पड़्यो खाटू से,
म्हारो श्याम धणी।bdl

आलूसिंह जी मोहन दास,
श्याम थारा गुणगान करे,
'टीकम' तो है दास चरण को,
हरपल थारो ध्यान धरे,
पलकां बिछाया बैठयो जी,
दर्शन म्हाने दे दयो जी,
चढ़ लीले पर आयो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपकी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

चाल पड्यो खाटू से,
म्हारो श्याम धणी।bd।



मोरछड़ी लहरावे जी,
श्याम नज़र म्हाँनै आवै जी,
चाल पड्यो खाटू से,
म्हारो श्याम धणी।bd।

प्रेषक – परितोष मिनी।
7992429775